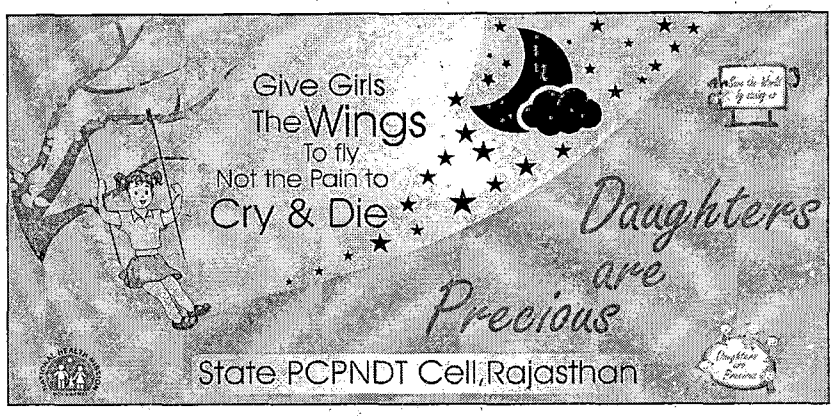

Daughters are Precious

बेटी पंचायत आयोजन दिशा निर्देश

डाटर्स आर प्रीशियस (डेप) अभियान के तहत
बेटी पंचायत– "बेटियों की बात राज्य के, आखिरी कोने तक आपके साथ"
"अब घर–घर होगी बेटियों की बात आपके साथ"
डैप–3 के प्रथम चरण में दिनांक 07, 14, 25, 28 सितम्बर, 2018 को 5 हजार ग्राम पंचायत पर आयोजित की जायेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजस्थान के पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ द्वारा संचालित डाटर्स आर प्रीशियस (डेप) अभियान के तहत डैप–3 के प्रथम चरण में प्रदेश की 5000 ग्राम पंचायत पर डैप संवाद का आयोजन दिनांक 07, 14, 25, 28 सितम्बर, 2018 को किया जा रहा है। इस संवाद में डेप रक्षकों द्वारा रोचक तरीकों से आमजन तक बेटियां अनमोल हैं का महत्वपूर्ण संदेश दिया जायेगा।

इस अभियान में निम्न तीन विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

1. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
2. महिला एवं बाल विकास विभाग
3. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग

इसके साथ शिक्षा विभाग एवं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के क्षेत्र में कार्यरत सक्रिय स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जायेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य– प्रत्येक घर प्रत्येक जन तक बेटियां अनमोल है का संदेश पहुंचाना व जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

शिल्पा चौधरी (R.P.S.)
निदेशक (पीसीपीएनडीटी)
एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पीबीआई)

कार्यक्रम आयोजन हेतु टीमों का गठन

राज्य स्तर पर (समस्त परियोजना निदेशक, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, राज्य सलाहकार, कार्यक्रम अधिकारी)

जिला :– (सीएमएचओ, जिला प्रबंधन इकाई–एनएचएम, एनयूएचएम व वर्टिकल कार्यक्रम)

ब्लॉक :– (बीसीएमओ, बीपीएम, ब्लाक आशा फेसलीलेटर एवं अन्य सक्रिय कर्मचारी)

सेक्टर :– पीएचसी प्रभारी, पीएचसी आशा सुपरवाईजर

ग्राम पंचायत :– ग्राम सेवक, एएनएम, आशा सहयोगिनी।

डेप रक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

राज्य स्तरीय प्रभारी अधिकारियों का प्रशिक्षण मिशन निदेशक महोदय द्वारा दिया जायेगा। राज्य स्तर पर प्रशिक्षित कार्मिक संबंधित जिले में जाकर जिला स्तर पर जिला स्तरीय डैप रक्षकों की टीम को प्रशिक्षित करने के साथ–साथ जिले में बेटी पंचायत के आयोजन संबंधित समस्त कार्यों के सम्पादन हेतु जिला स्तर पर बैठक कर कार्यों का आवंटन करेंगे। साथ ही आयोजन की मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित करेंगे।

प्रतिभागी :– DPMU-NHM, NUHM, ADNO R.B.S.K., R.K.S.K. Counselor and Vertical Program

इसी प्रकार ब्लॉक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।

प्रतिभागी :– BDO, CDPO, BPMU, GRAM SEVAK

डैप संवाद सत्र योजना :– समयावधि दो घण्टे प्रातः 11 बजे से लेकर सायं 5 बजे तक पंचायत सुविधानुसार किया जा सकता है। प्रति ग्राम पंचायत प्रतिभागियों की संख्या कम से कम 100 होनी चाहिये।

- परिचय एवं कार्यक्रम का उद्देश्य
- खेल के माध्यम से प्रश्नोत्तरी
- कटपुतली नाटक/बेटियों पर आधारित गीत/नाटक कविता
- पीपीटी/इमोशनल वीडियों क्लिप
- ऑपन संवाद एवं जिम्मेदारी की तरफ ले जाने का प्रयास।
- प्रतिभागियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले प्रतिभागी (तीन से चार) को पुरस्कृत किया जा सकता है।

शिल्पा चौधरी (R.P.S.)
परियोजना निदेशक (पीसीपीएनडीटी)
एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पीबीआई)
राजस्थान

कार्यक्रम के प्रचार हेतु कार्यः–

- मिशन निदेशक महोदय की प्रेस वार्ता।
- बैनर कलेक्ट्रेट एवं पंचायत समिति पर।
- बैनर ग्राम पंचायत पर।
- समाचार पत्रों में विज्ञापन 06 सितम्बर व ....., 2018 से पहले।
- मीडिया कवरेज राज्य, जिला एवं खण्ड स्तर पर।
- फेसबुक, वैबपेज प्रेस विज्ञप्ति कार्यक्रम से पहले एवं बाद में।

रिपोर्टिंग एवं डेटा कलेक्शनः–

1. उपस्थिति रिपोर्ट एवं कार्यक्रम के विडियो एवं फोटोग्राफ समस्त जिला प्रभारियों द्वारा जिला स्तर से प्राप्त कर राज्य स्तर पर जमा करवाये जायेगें।

बेटी पंचायत में ग्राम पंचायत स्तर पर डैप कार्यक्रम में की जाने वाली चर्चा की प्रस्तावित रूपरेखा

1. सभी प्रतिभागियों का स्वागत व आज सब ग्राम सभा में बेटी पंचायत में इकट्ठे क्यों हुए हैं, पर चर्चा :–

- प्रति 1000 लड़कों पर 888 लड़कियां।
- लड़कियां नहीं होने पर समाज में, जिले में व राज्य में आयें परिवर्तन।
- बेटों के लिए बहुएं बाहर से लानी पड़ रही है।
- लड़के शादी की उम्र से काफी ज्यादा उम्र तक कुंवारे रह रहे है।
- लड़कियों के साथ छेड़छाड़ के मामले ज्यादा होने लगे है।
- परिवार में संबंधों पर फर्क पड़ रहा है।

2. अब ये हुआ कैसे, इसके पीछे के कारण :–

- बेटे की चाह (वंश चलाने हेतु बुढ़ापे के सहारे के लिए, मोक्ष के लिए, कमाऊपूत के रूप में, सुरक्षा की चिंता नहीं, बेटा होने पर महिलाओं को सम्मान)
- बेटी क्यों नहीं चाहिए (दहेज देना पड़ता है, पराया धन है, सुरक्षा की चिंता रहती है)

शिल्पा चौधरी (R.P.S.)
परियोजना निदेशक (पीसीपीएनडीटी)
एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पीबीआई)
राजस्थान

३. इन सब कारणों को लेकर समाज में बेटियों की अवहेलना शुरू हो गई :–

- लोग गर्भ में कन्या भ्रूण का पता कर बेटियों को मरवाने लगे।
- जन्म लेने के बाद उपेक्षा कर मारने लगे।
- बेटियों के साथ खान–पान, रहन–सहन, शिक्षा, स्वास्थ्य सब में भेदभाव करने लगे।

क्या यह सही है कि :–

- बेटा ही वंश चला सकता है।
- बेटा ही बुढ़ापे का सहारा है।
- मोक्ष बेटे के हाथ से ही होगा।
- बेटा कमाऊपूत है।

क्या बेटियां :–

- कमा नहीं रही है।
- मां–बाप की सेवा नहीं कर रही है।
- मरने के बाद किसने देखा कि कौन मोक्ष करवा रहा है।
- सुरक्षा की चिंता में जिम्मेदार कौन हमारे अपने बेटे जो कि बेटियों को छेड़ते हैं, उनके साथ गलत व्यवहार करते है (यहां पर समाचार पत्रों में आई न्यूज बता सकते है)

४. अब विभाग ने क्या किया :–

- पीसीपीएनडीटी कानून की सख्ती से पालना सुनिश्चित की।
- पीसीपीएनडीटी कानून की पालना करने हेतु राज्य में देश का प्रथम पीबीआई थाना बनाया।
- ऐसे सोनोग्राफी सेंटर जो यह घृणित कार्य रकर रहे है उनका पता लगाया।
- डिकॉय के माध्यम से सेंटरों पर कार्यवाहियां करना शुरू करी।
- सोनोग्राफी सेंटरों की चैकिंग के लिए राज्य जिला व खण्ड स्तर पर टीम बनाई।
- अन्य राज्यों में जाकर भी डिकॉय कार्यवाही की।

शिल्पा चौधरी (R.P.S.)
परियोजना निदेशक (पीसीपीएनडीटी)
एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पीबीआई)
राजस्थान

- जो डॉक्टर, दलाल, स्वास्थ्यकर्मी यह कर्म कर रहे थे उन्हें पकड़ा व उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करते हुए कईयों को गिरफ्तार किया व सेंटर सीज किये।
- सामाजिक स्तर पर समाज में बदलाव लाने के लिए डॉटर्स आर प्रीशियस (डैप) कार्यक्रम की शुरूआत की जो कि निरंतरता में चल रहा है। (यहां पर डैप और डैप रक्षक की भूमिका बता सकते है)

अब आप क्या सोचते है :–

- क्या ऐसा चलता रहना चाहिए। (सवालों के आधार पर बात करते हुए जिम्मेदारी बताना व कैसे हमसे जुड़ सकते है की जानकारी देना)

शिल्पा चौधरी (R.P.S.)
परियोजना निदेशक (पीसीपीएनडीटी)
एवं अतिरिक्त अधीक्षक (पीबीआई)
राजस्थान